Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) ____________________

   (Name) ____________________

2. (Signature) ____________________

   (Name) ____________________

OMR Sheet No. : ....
(To be filled by the Candidate)

Roll No. | | | | | | | | |
(In figures as per admission card)

Roll No. ____________________
(In words)

N 0 1 8 1 7

Time : 2½ hours]

PAPER - III
MAITHILI

[Maximum Marks : 150

Number of Pages in this Booklet : **12**

Number of Questions in this Booklet : **75**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. This paper consists of seventy five multiple-choice type of questions.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
   (iii) After this verification is over, the Test Booklet Number should be entered on the OMR Sheet and the OMR Sheet Number should be entered on this Test Booklet.
4. Each item has four alternative responses marked (1), (2), (3) and (4). You have to darken the circle as indicated below on the correct response against each item.

   Example : ① ② ● ④ where (3) is the correct response.
5. Your responses to the items are to be indicated in the **OMR Sheet given inside the Booklet only.** If you mark your response at any place other than in the circle in the OMR Sheet, it will not be evaluated.
6. Read instructions given inside carefully.
7. Rough Work is to be done in the end of this booklet.
8. If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the OMR Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means, such as change of response by scratching or using white fluid, you will render yourself liable to disqualification.
9. You have to return the original OMR Sheet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall. You are however, allowed to carry original question booklet and duplicate copy of OMR Sheet on conclusion of examination.
10. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
11. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**
12. **There are no negative marks for incorrect answers.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. इस पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. इस प्रश्न-पत्र में पचहत्तर बहुविकल्पीय प्रश्न हैं।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए पुस्तिका पर लगी कागज की सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
   (iii) इस जाँच के बाद प्रश्न-पुस्तिका का नंबर OMR पत्रक पर अंकित करें और OMR पत्रक का नंबर इस प्रश्न-पुस्तिका पर अंकित कर दें।
4. प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उत्तर विकल्प (1), (2), (3) तथा (4) दिये गये हैं। आपको सही उत्तर के वृत्त को पेन से भरकर काला करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है।

   उदाहरण : ① ② ● ④ जबकि (3) सही उत्तर है।
5. प्रश्नों के उत्तर **केवल प्रश्न पुस्तिका के अन्दर दिये गये OMR पत्रक पर ही** अंकित करने हैं। यदि आप OMR पत्रक पर दिये गये वृत्त के अलावा किसी अन्य स्थान पर उत्तर चिह्नांकित करते हैं, तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा।
6. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
7. कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें।
8. यदि आप OMR पत्रक पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, जैसे कि अंकित किये गये उत्तर को मिटाना या सफेद स्याही से बदलना तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं।
9. आपको परीक्षा समाप्त होने पर मूल OMR पत्रक निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्ति के बाद उसे अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें। हालांकि आप परीक्षा समाप्ति पर मूल प्रश्न-पुस्तिका तथा OMR पत्रक की डुप्लीकेट प्रति अपने साथ ले जा सकते हैं।
10. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पेन का ही प्रयोग करें।**
11. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
12. **गलत उत्तरों के लिए कोई नकारात्मक अंक नहीं हैं।**

MAITHILI

मैथिली

PAPER - III

प्रश्नपत्र - III

Note : This paper contains **seventy five (75)** objective type questions of **two (2)** marks each. **All** questions are **compulsory**.

नोट : एहिमे **पचहत्तरि (75)** बहु-विकल्पीय प्रश्न अछि। प्रत्येक प्रश्नक **दू (2)** अंक अछि। **सभ** प्रश्न **अनिवार्य** अछि।

1. प्रभास कुमार चौधरीक कथा अछि :

   (1) मामी (2) गंगापुत्र (3) पिता (4) बाबाक संस्कार

2. 'मरीचिका' अछि :

   (1) संस्मरण (2) निबंध (3) कथा (4) उपन्यास

3. 'अलंकार-शिक्षा' कथा लिखने छथि :

   (1) उमानाथ झा (2) हरिमोहन झा

   (3) उपेन्द्रनाथ झा 'व्यास' (4) योगानन्द झा

4. 'घरदेखिया' प्रकाशित भेल अछि :

   (1) साहित्य अकादेमीसँ (2) साहित्यिकीसँ

   (3) मैथिली अकादमीसँ (4) चेतना समितिसँ

5. 'गाड़ीक पहिया' कथा लिखने छथि :

   (1) रामनरेश सिंह (2) राजाराम प्रसाद (3) साकेतानन्द (4) मायानन्द मिश्र

6. 'कमल' पात्र अछि :

   (1) 'भोरूकवा' मे (2) 'मधुश्रावणी' मे (3) 'विदागरी' मे (4) 'उगनाक दयादवाद' मे

7. मर्मज्ञ समालोचक छथि :

(1) सुभाष चन्द्र सिंह (2) नन्द नन्दन झा (3) रमानाथ झा (4) लक्ष्मीकान्त झा

8. 'दरवारक आत्मकथा' लिखने छथि :

(1) आनन्द मिश्र (2) इन्द्रकान्त झा (3) अमर नाथ झा (4) दिनेश कुमार झा

9. 'नाट्यान्वाचय' थिक :

(1) कथा (2) उपन्यास (3) समालोचना (4) नाटक

10. 'विद्यापतिक शृंगारिक पदक काव्यशास्त्रीय अध्ययन' लिखने छथि :

(1) जयदेव मिश्र (2) नरेन्द्र झा (3) प्रबोध नारायण सिंह (4) देवेन्द्र झा

11. राजमोहन झाकेँ साहित्य अकादेमीसँ पुरस्कार प्राप्त भेल छन्हि :

(1) नाटक पर (2) कविता पर (3) कथा पर (4) उपन्यास पर

12. "वृक्षक नूतनता · पल्लवक उद्‌गम · कुमुदक सम्भार मलयानिलक वेग · कोकिलाक कलरव...." मे वर्णन अछि :

(1) वसन्तक (2) ग्रीष्मक (3) पावसक (4) शरदक

13. पत्रात्मक शैलीमे लिखल उपन्यास अछि :

(1) पाँच पत्र (2) दू – पत्र

(3) नातिक पत्रक उत्तर (4) लीखि पठाओल आखर

14. 'सॉग्स ऑफ विद्यापति' लिखने छथि :

(1) दीनबन्धु झा (2) सुभद्र झा (3) मुनीश्वर झा (4) रामावतार यादव

15. राधाकृष्ण चौधरीक कृति छन्हि :

(1) विन्दन्ती (2) सतंजा (3) शारान्तिधा (4) ध्वस्त होइत शान्तिस्तूप

16. ‘पथ हेरथि राधा’ लिखने छथि :

(1) मनमोहन झा (2) राजमोहन झा (3) आनन्द मोहन झा (4) शैलेन्द्र मोहन झा

17. ‘मैथिली उपन्यासक आलोचनात्मक अध्ययन’ लिखने छथि :

(1) अमरेश पाठक (2) शिवाकान्त पाठक (3) मधुकर गंगाधर (4) शान्तिनाथ सिंह ठाकुर

18. काशीसँ मैथिलीक पत्रिका प्रकाशित भेल :

(1) कर्णामृत (2) मिथिलामोद (3) देसिल वयना (4) वैदही

19. ‘मिथिला मिहिर’ सर्वप्रथम प्रकाशित भेल :

(1) कोलकातासँ (2) अजमेरसँ (3) दरभंगासँ (4) पटनासँ

20. कृष्णकान्त मिश्र सम्पादक छलाह :

(1) ‘पल्लव’क (2) ‘मिथिलामिहिर’क (3) ‘बटुक’क (4) ‘वैदेही’क

21. ‘मिथिलादर्शन’ क उद्‌बोधनात्मक पंक्ति अछि :

(1) बैसि कंठ पर क्यो बरजोरी स्वर नहि दाबि सकै अछि

(2) अछि सलाइमे आगि बरत की बिना रगड़ने

(3) माँगि रहल छी प्रथम आइ हम अपन मातृजन वाणी

(4) अभिनव विद्यापतिक भवानी जागि रहल अछि

22. ‘भारती मंडन’ पत्रिका अछि :

(1) वार्षिक (2) अर्द्धवार्षिक (3) त्रैमासिक (4) अनियतकालीन

23. ‘रे की’ टेक होइत अछि :

(1) झरनीमे (2) लगनीमे (3) समदाउनमे (4) वटगवनीमे

24. ‘गोनू झा’ पर पोथी लिखने छथि :

(1) सुनीति झा (2) मैथिली ठाकुर (3) प्रीति ठाकुर (4) मंजू सिंह

25. विश्वेश्वर मिश्रक पोथी अछि :

(1) मनुक सन्तान (2) गाथा कथा (3) ऋतु संहार (4) ऋतु प्रिया

26. 'मैथिली मोहावरा एवं लोकोक्ति प्रकाश' पोथी अछि :

(1) गोविन्द झाक (2) कमलकान्त झाक

(3) योगेन्द्र पाठक 'वियोगी' क (4) रमानाथ मिश्र 'मिहिर' क

27. लोक-नृत्य अछि :

(1) चैताबर (2) उदासी (3) पमरिया (4) मलार

28. विद्यापतिक रचनामे भाषाक प्रयोग भेल अछि :

(1) एक (2) दू (3) तीन (4) चारि

29. जौनपुरक वर्णन अछि :

(1) 'लिखनावली' मे (2) 'कीर्तिपताका' मे (3) 'पुरुष-परीक्षा' मे (4) 'कीर्तिलता' मे

30. 'ससन परस खसु अम्बर रे, देखल धनि देह' मे नायिकाक वर्णन अछि :

(1) खण्डिताक (2) मुग्धाक (3) अभिसारिकाक (4) बासकशय्याक

31. पुरुष-परीक्षा मे 'चौर कथा' वर्णित अछि :

(1) प्रथम परिच्छेदमे (2) द्वितीय परिच्छेदमे (3) तृतीय परिच्छेदमे (4) चतुर्थ परिच्छेदमे

32. 'रामभद्रपुर पदावली' कँ कहल जाइछ :

(1) अनूदित ग्रन्थ (2) सम्पादित ग्रन्थ (3) आकर ग्रन्थ (4) संगृहीत ग्रन्थ

33. मृत्युसँ पूर्व विद्यापति स्वप्नमे देखलनि :

(1) लखिमाकँ (2) उगनाकँ (3) फिरोजशाहकँ (4) शिवसिंहकँ

34. 'भानुसिंहेर पदावली' क रचना भेल अछि :

(1) ज्योतिरीश्वरक प्रभावसँ (2) विद्यापतिक प्रभावसँ

(3) गोविन्ददासक प्रभावसँ (4) ज्ञानदासक प्रभावसँ

35. 'वर्षकृत्य' क रचना कएने छथि :

(1) जयदेव (2) चतुर चतुर्भुज (3) विद्यापति (4) अमृतकर

36. 'चन्द्रपद्यावली' क सम्पादक छथि :

(1) श्रीकृष्ण मिश्र (2) भोलालाल दास (3) उमेश मिश्र (4) बलदेव मिश्र

37. चन्दा झा 'मिथिला भाषा रामायण' क रचना कएलन्हि :

(1) रमेश्वर सिंहक आश्रयमे (2) लक्ष्मीश्वर सिंहक आश्रयमे

(3) माधव सिंहक आश्रयमे (4) कामेश्वर सिंहक आश्रयमे

38. 'स्त्री की रम्भा होथि मूढ़मति सुन रे निर्भय – ई उक्ति थिक :

(1) जामवन्तक (2) हनुमानक (3) अंगदक (4) सुग्रीवक

39. लोकोक्ति कोश कहल गेल अछि :

(1) 'मिथिला भाषा रामायण' कैँ (2) 'रमेश्वर चरित मिथिला रामायण' कैँ

(3) 'सीतायन' कैँ (4) 'राम सुयश सागर' कैँ

40. 'मिथिला भाषा रामायण' मे लंकाकाण्ड अछि :

(1) तेसर (2) चारिम (3) पाँचम (4) छठम

41. 'एकावली' कैँ पाताल – लोक लए गेलन्हि :

(1) अहिरावण (2) रावण (3) कालकेतु (4) मय

42. राम – सुग्रीव मित्रता भेल अछि :

(1) अरण्य काण्डमे (2) किष्किन्धा काण्डमे (3) सुन्दर काण्डमे (4) लंका काण्डमे

43. 'हा! रघुनाथ अनाथ जकाँ दशकंठपुरी हम आइलि छी' – ई पंक्ति 'मिथिला भाषा रामायण' मे अछि :

(1) अरण्य काण्डमे
(2) किष्किन्धा काण्डमे
(3) सुन्दर काण्डमे
(4) लंका काण्डमे

44. 'पुष्कर काण्ड' वर्णित अछि :

(1) 'मिथिला भाषा रामायण' मे
(2) 'रमेश्वर चरित मिथिला रामायण' मे
(3) 'सीतायन' मे
(4) 'राम सुयश सागर' मे

45. 'दुर्गातिथिसँ शिवतिथि सुबुद्धि' मे शिवतिथि अछि :

(1) एकादशी (2) द्वादशी (3) त्रयोदशी (4) चतुर्दशी

46. 'विषज्वाला परिपूर्ण नागफणि चढ़ि जे नाचि सकैछ' – ई पंक्ति थिक :

(1) 'प्रतिज्ञापाण्डव' मे (2) 'शकुन्तला' मे (3) 'चाणक्य' मे (4) 'अगस्त्यायनी' मे

47. ''चालनि रूप तनिक व्यापार/चोकर धरब उपेखब सार'' – वर्णित अछि :

(1) 'सुभद्राहरण' मे (2) 'कृष्णचरित' मे (3) 'अम्बचरित' मे (4) 'व्यथा' मे

48. दामोदर लालदासक खण्डकाव्य थिक :

(1) एकलव्य (2) भारती (3) त्रिपुण्ड (4) शकुन्तला

49. केदार नाथ लाभक 'भारती' अछि :

(1) मौलिक (2) अनूदित (3) सम्पादित (4) संगृहीत

50. 'पतन' मे पतन भेल अछि :

(1) अगस्त्यक (2) विश्वामित्रक (3) नहुषक (4) दुर्वाशाक

51. 'पंच पुरुष छथि जनिक संगमे, श्यामा ललना एक' मे श्यामा ललना थिकीह :

(1) सुदेष्णा (2) सैरन्ध्री (3) कुन्ती (4) गान्धारी

52. 'एकलव्य' गुरू माननलि :

(1) परशुरामकेँ (2) विश्वामित्रकेँ (3) कृपाचार्यकेँ (4) द्रोणाचार्यकेँ

53. 'घर-घर कूदय से खुरलुच्ची' कहने छथि :

(1) जनार्दन झा 'जनसीदन' (2) पद्मनारायण झा 'विरंचि'

(3) सीताराम झा (4) गोपाल जी झा 'गोपेश'

54. 'टटका जिलेबी' लिखने छथि :

(1) काशीकान्त मिश्र 'मधुप' (2) जयप्रकाश चौधरी 'जनक'

(3) रवीन्द्र नाथ ठाकुर (4) मैथिली पुत्र 'प्रदीप'

55. 'भूमिका'क संग्रह थिक :

(1) भावभूमि रसवंत (2) विन्दु-विसर्ग

(3) नातिक पत्रक उत्तर (4) सत्यसाची

56. 'अहिबातक पातिल फोड़ि फाड़ि' ई पंक्ति लिखने छथि :

(1) भुवन (2) राघवाचार्य (3) यात्री (4) द्विजवर

57. आरसी प्रसाद सिंहक कविता थिक :

(1) घसल अठन्नी (2) तरु (3) कविक स्वप्न (4) शेफालिका

58. 'अतीत-मंथन' लिखने छथि :

(1) विहंगम (2) अमर (3) विरंचि (4) हाशमी

59. 'धार नहि होइछ मुक्त' रचना अछि :

(1) रामकृष्ण झा 'किसुन' क (2) नाजिम रिजवी क

(3) जीवकान्तक (4) सुकान्त सोमक

60. ‘नाम तँ थिक वैह’ लिखने छथि :

(1) उपेन्द्र दोषी (2) केदार कानन

(3) अजित कुमार आजाद (4) भीमनाथ झा

61. ‘भरमहुँ निञकर उर पर आनी/परस तरस सरसीरुह जानी’ – ई पंक्ति थिक :

(1) ‘सुन्दर संयोग’क (2) ‘पारिजातहरण’क

(3) ‘सामवती पुनर्जन्म’क (4) ‘हरगौरी विवाह’क

62. ‘केलिगोपाल’ अंकीया नाट लिखने छथि :

(1) गोपालदेव (2) माधवदेव (3) शंकरदेव (4) दैत्यारि ठाकुर

63. ‘महेश’ पात्र अछि :

(1) ‘सन्दर्भ’मे (2) ‘तऽरपट्टा: उपर पट्टा’मे

(3) ‘ई बतहा संसार’मे (4) ‘भफाइत चाहक जिनगी’मे

64. ‘एक छल राजा’ क रचनाकार छथि :

(1) उदयनारायण सिंह ‘नचिकेता’ (2) गौरी कान्त चौधरी ‘कान्त’

(3) लल्लन प्रसाद ठाकुर (4) राम लोचन ठाकुर

65. रामदेव झाकेँ साहित्य अकादेमीसँ मूल पुरस्कार भेटल छन्हि :

(1) हँसनी पान: बजन्ता सुपारी’ पर (2) ‘सगाइ’ पर

(3) ‘पसिझैत पाथर’ पर (4) ‘धरती माता’ पर

66. ‘झारखण्डीनाथ’ क वर्णन अछि :

(1) ‘वनमानुष’मे (2) ‘कला’मे (3) ‘पवित्रा’मे (4) ‘कन्यादान’मे

67. ‘फुटपाथ’ थिक :

(1) कथा (2) उपन्यास (3) नाटक (4) संस्मरण

68. 'मुक्ति' कथा अछि :

(1) प्रभास कुमार चौधरीक (2) धूमकेतुक

(3) ललितक (4) राजकमलक

69. 'इन्दु' नायिका छथि :

(1) 'चन्द्रग्रहण'मे (2) 'मधुश्रावणी'मे (3) 'भलमानुस'मे (4) 'दू-पत्र'मे

70. काञ्चीनाथ झा 'किरण' क महाकाव्य थिक :

(1) दत्तवती (2) पाञ्चाली (3) शकुन्तला (4) पराशर

निर्देश : निम्नलिखित गद्यांशकेँ ध्यानपूर्वक पढ़ि ओहिसँ सम्बद्ध प्रश्नावली (प्रश्न संख्या **71** सँ **75**)क उत्तरक हेतु देल गेल बहुविकल्पसँ सही विकल्पक चयन करू :

आइ चारू भागसँ ध्वनि आबि रहल अछि जे जाहि विद्यार्थी वर्ग पर देशक भविष्य निर्भर अछि, ताहि वर्गमे अनुशासन-पालन करबाक स्थान पर अनुशासन उल्लंघन करबाक प्रवृत्तिक विकास तीव्रतासँ भ' रहल अछि। एहि हेतु देशक नेतृत्व कयनिहार कर्णधारलोकनि घोर चिंता व्यक्त करैत छथि। एकर निराकरण हेतु अनेक प्रकारक आयोग समिति आदि गठित होइत अछि। अनेक प्रकारक गोष्ठी आयोजित होइत अछि आ एहि हेतु दोषारोपण कयल जाइत अछि। वर्तमान शिक्षा पद्धतिपर तथा शिक्षक-समुदायक योग्यता पर, किन्तु ई नहि सोचल जाइत अछि जे अनुशासन-शब्दक वास्तविक तात्पर्य की होइछ? आजुक समाजक अपनाकेँ निर्माता कहनिहार राष्ट्रीय शासन यन्त्रकेँ संचालित कयनिहार तथा जनिका अभिभावकत्वमे आजुक छात्र स्वविकासक प्रक्रियामे अपनाकेँ संलग्न कयने छथि हुनका समक्ष ओ अपनाकेँ कोन आदर्श रूपमे उपस्थित क' रहलाह अछि, आ परिवारक ओ सामाजिक परिवेश केहन बनाक' रखने छथि।

पहिने शासन तखन ओहिमे 'अनु' उपसर्गक योगसँ अनुशासन शब्द निष्पन्न होइत अछि। अत: अपेक्षित अछि जे जाहि पवित्रताक, जाहि उत्तरदायित्वक, अनुशासनशीलताक, जाहि चरित्रक सबलताक आशा अपन प्रभविष्णु छात्र समुदायसँ देश, जाति, समाज करैत अछि तेहन परिवेशक निर्माणमे अपनाकेँ पहिने संलग्न करय। ओ पवित्रता ओ अनुशासनशीलता, ओ चारित्रिक सबलता शासन यन्त्रमे विकसित हो। तकरे अनुगमन वस्तुत: अनुशासन कहाओत। वस्तुत: अनुशासन पालन पुस्तकीय शिक्षा द्वारा, ने डण्ड विधान द्वारा आ ने मंचसँ ठाढ़ भ' उपदेश वाक्य छँटलासँ सम्भव भ' सकैछ। ओ अभ्यासक वस्तु थिक-जकर विकास ने एक दिनमे अथवा कोनो निश्चित स्थान ओ अवधिमे सीमित राखि सम्भव अछि, अपितु यदि हम ककरोसँ अनुशासन पालन करब' चाहैत छी तँ हमरा अपन व्यक्तिगत व्यवहारमे अनिवार्य रूपेँ आन' पड़त, ओकरा समक्ष अपनाकेँ अनुशासित देखबऽ पड़त।

71. विद्यार्थी वर्ग पर देशक निर्भर करैछ :

(1) दशा (2) दिशा (3) भविष्य (4) वर्त्तमान

72. राष्ट्रक नेतृत्व कथनिहार कर्णधार लोकनि व्यक्त करैत छथि :

(1) चिन्ता (2) दुविधा (3) प्रसन्नता (4) पश्चाताप

73. पवित्रता, अनुशासनशीलता ओ चारित्रिक सबलता विकसित होयब आवश्यक अछि :

(1) विकास यन्त्रमे (2) शासन यन्त्रमे (3) शासन तन्त्रमे (4) शासन मन्त्रमे

74. पवित्रता, अनुशासनशीलता आ चारित्रिक सबलताक अनुगमन वस्तुतः कहाओत :

(1) शासन (2) अनुशासन (3) अनुकरण (4) अनुरोध

75. व्यक्तिगत व्यवहारमे अपनाकेँ देखबऽ पड़त :

(1) अनुशासित (2) निष्ठावान (3) समर्पित (4) प्रतिबद्ध

- o O o -

Space For Rough Work